आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:02-02-15

हम भाग्यशाली आत्माओं को ईश्वरीय संदेश देने के निमित्त बनाने वाले, बेहद के बाप ने कहा, मीठे बच्चे - सबको यह खुशखबरी सुनाओ कि भारत अब फिर से स्वर्ग बन रहा है, हेविनली गॉड फादर आये हुए हैं.

इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर हम अलौकिक ब्राह्मणों का कर्तव्य है सम्बन्ध, समपर्क में आने वाले, मित्र, सम्बन्धी, पड़ोसी, सर्व जन-जन को सत्य स्वरूप शिव परमपिता-परमात्मा, ईश्वर का परिचय देना और उसे भी वर्से का हकदार बनाना. यही मुख्य सेवा है और इसे ही हमारा पदमापदम ऊंच भाग्य बनता हैं. यह ईश्वरीय सेवा में सफलता का आधार है - मधुरता और नम्रता. यह दो गुणों वाली आत्मायें, बाप की याद में रहकर ईश्वरीय सेवा में सफलता को जरूर प्राप्त कर सकती हैं.

बाबा की आज की मुरली से याद और सेवा पर कहे महा-वाक्यों को बाप की याद में रहकर पढ़ेंगे तो हमारे में ईश्वरीय सेवा करने का उमंग-उत्साह भरेगा और खुशी भी बढ़ेगी.

- बाप समझाते हैं और बच्चे जानते हैं कि भारत खास और दुनिया आम को यह बहुत खुशी का सन्देश सबको देना है कि भारत अब फिर से स्वर्ग बन रहा है अथवा विश्व में स्वर्ग की स्थापना हो रही है. भारत में फिर से शिव परमपिता-परमात्मा स्वर्ग की स्थापना करने आये है, जिनको हेविनली गॉड फादर भी कहते हैं. बाप तुम बच्चों को यही ड़ायरेक्शन देते है कि यह खुशखबरी सबको अच्छी रीति सुनाओ.

- बाप कहते हैं हरेक को अपने धर्म की तात रहती हैं. तुम बच्चों को भी तात है, तुम खुशखबरी भी सुनाते हो कि भारत में फिर से सूर्यवंशी देवी-देवता धर्म की स्थापना हो रही है अर्थात भारत फिर से स्वर्ग बन रहा हैं. तुम्हें यह खुशी है कि अब फिर से हम स्वर्ग के मालिक बन रहे हैं.

- बाप कहते हैं बाप ने तुमको मेसेन्जर बनाया हैं. सबके कान पर यह मेसेज देते रहो कि भारत में फिर से दैवी-राज्य स्थापन हो रहा हैं. भारतवासियों का आदि सनातन दैवी-देवता

धर्म जो प्रायः लोप हो गया था अब फिर से स्थापन हो रहा हैं. भारतवासी यह देवी-देवताओं (राधे-कृष्ण, लक्ष्मी-नारायण) के चित्र देखते है वह फिर से इस धरा पर साकार में होंगे. यह खुशखबरी सबको सुनाओ तो तुम्हें अन्दर में बहुत खुशी रहेगी. प्रदर्शनी में भी यह खुशखबरी सबको सुनाते रहो.

- बाप कहते हैं यह मृत्युलोक पतित दुनिया अब विनाश हो रही है. तुमको पावन दुनिया में चलना है तो अब इस सर्विस में लग जाना चाहिए. प्रदर्शनी पिछाडी प्रदर्शनी करनी चाहिए. ऐसी खुशखबरी सबको देनी है कि परमात्मा शिव कहते है कि आकर बाप से अपना राज्य-भाग्य लो. तुमने 5 हजार वर्ष पहले अपना राज्य-भाग्य लिया था अब फिर से लो.

- बाप कहते हैं तुम यह लक्ष्मी-नारायण के बैजस पर भी बहुत सर्विस कर सकते हो. सिर्फ सबके कानों में यह संदेश देना है कि अपने को आत्मा समझ परमपिता-परमात्मा शिव को याद करो तो तुम्हारे जन्म-जन्मांतर के पाप भस्म हो जायेंगे और तुम मनुष्य से यह लक्ष्मी-नारायण जैसे देवी-देवता बन जायेंगे. यह है शिवबाबा का सच्चा मंत्र.

- बाप कहते हैं तुम भारतवासियों का आदि सनातन देवी-देवता धर्म था फिर 84 जन्म लिये. अभी तुम अपने आदि सनातन देवी-देवता धर्म को भूल बहार भटकते रहते हो. यह लक्ष्मी-नारायण आदि सनातन देवी-देवता धर्म वाले है ना. अभी कलयुगी में और सब धर्म है सिवाय तुम्हारे आदि सनातन देवी-देवता धर्म के. फिर सतयुग में यही धर्म होगा और सब धर्म नहीं रहेंगे.

- बाप कहते हैं यह है शोक की, दुख की दुनिया हैं. बाप आकर तुम्हें रावण की जेल से, शोक वाटिका से तुम्हें छुडाते है. बाबा तुम्हें सुख की दुनिया में ले जाते है. तुम अपनी शांति की दुनिया (परमधाम) और सुख की दुनिया (सतयुग) को याद करते रहो.

ॐ शांति.